वर्ष 28 अंक 245
पृष्ठ 18
बरेली, बुधवार
17 मई 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

PAGE NO 01 : LEFT SIDE

भाजपा के राष्ट्रीय संगठक हृदयनाथ सिंह ने किसानों की आय दोगुनी करने का दिया मंत्र

मृदा परीक्षण से लहलहाएगी फसल, आएगी खुशहाली

जागरण संवाददाता, बरेली : किसानों की आय दोगुनी करने में 'दैनिक जागरण' का आधुनिक अन्नदाता अभियान मंगलवार को मील का पत्थर बन गया। इसलिए क्योंकि मंगलवार को आधुनिक अन्नदाता अभियान के तहत मृदा परीक्षण की ट्रेनिंग पाए अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्र वितरण समारोह में सेहत के लिए नासूर बनी मौजूदा खेती में बदलाव का खाका भी खिंच गया। सरकार और प्रशासन के नुमाइंदों ने भी एक स्वर में स्वीकार किया कि हालात चिंताजनक हैं। लिहाजा कार्यक्रम में लगे हाथ हालात से निपटने के लिए ठोस कदम भी बढ़ गए, रुहेलखंड के चार हजार गांव में मृदा परीक्षण लैब की स्थापना का संकल्प लेकर। कार्यक्रम में प्रमाण-पत्रों के साथ दस आधुनिक अन्नदाताओं को पूसा की ईजाद अत्याधुनिक एसटीएफआर मशीन सौंपी गई, जो रासायनिक प्रयोग से जहरीली हो रही मिट्टी की जांच में बेहद कारगर है।

आधुनिक अन्नदाता के प्रमाणपत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हृदय नाथ सिंह

जागरण आधुनिक अन्नदाता

- केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णा राज ने कहा, प्राकृतिक खेती में सबका भला
- पूर्व गृहमंत्री चिन्मयानंद बोले, क्रांतिकारी परिवर्तन का मार्ग तैयार
- चार हजार गांव में मृदा परीक्षण लैब स्थापना की ओर भी बढ़ा कदम
- कार्यक्रम में आधुनिक अन्नदाता को प्रमाण-पत्र बांटे गए

बता दें, आधुनिक अन्नदाता कार्यक्रम बीएल एग्रो और रिलायंस पावर रेजा के सहयोग से आगे बढ़ाया जा रहा है।

भोजीपुरा स्थित श्री राममूर्ति इंजीनियरिंग कॉलेज सभागार में जिम्मेदार अफसरों, जनप्रतिनिधियों, सैकड़ों प्रधान, किसानों की मौजूदगी में यह भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय संगठक (किसान मोर्चा, गोवंश विकास, नमामि गंगे अभियान, पंचायती राज) हृदय नाथ सिंह रहे। उन समेत विशिष्ट अतिथि पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री स्वामी चिन्मयानंद, केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णाराज, कृषि एक्सपर्ट और प्रमुख उद्यमी जैसे दिग्गज भी जुटे। सभी ने मंच से एक स्वर में माना-'किसानों की तकदीर स्वस्थ मिट्टी ही बदल सकती है। रुहेलखंड से शुरू हुआ यह भागीरथ प्रयास सिर्फ उप्र ही नहीं, पूरे देश में किसानी की तस्वीर बदल देगी। इतना ही नहीं, भारत में प्राकृतिक खेती का युग लौटाने में भी क्रांतिकारी साबित होगा'।

■शेष पृष्ठ 13 पर
संबंधित सामग्री >> पेज 04

PAGE NO 13 : BOTTOM MIDDLE

प्रथम पृष्ठ का शेष

मृदा परीक्षण से...

मार्गदर्शक बने हृदयनाथ सिंह : खेती में सुधार के लिए भविष्य का रोडमैप, घोषणाओं, संकल्प के बीच कार्यक्रम की जान रही वह सीख और चेतावनी जिस पर चलकर-समझकर पूरे देश की तरक्की संभव है। मुख्य अतिथि हृदयनाथ सिंह ने तो मौजूदा खेती के तरीके पर ही सवाल उठा दिए। बोले, खेती के प्रचलित तौर तरीकों को बदलना बहुत बड़ा काम है। बधाई देता हूं, दैनिक जागरण ने इस बारे में न केवल गंभीरता से सोचा, बल्कि उसे जमीन पर भी उतारा। तब जबकि खेती और किसानों से जुड़ी खबरें अखबारों का हिस्सा नहीं बनती।

उन्होंने खेती की दुर्दशा के लिए गुलामी के काल को जिम्मेदार ठहराया। यह भी बताया कि देश में महज नौ इंच गहराई पर खेती होती है। इसके बावजूद उत्पादन को लेकर हम दुनिया के दूसरे देशों से ज्यादा पीछे नहीं हैं। खेती में रसायन का प्रयोग 40-45 साल से शुरू हुआ लेकिन जो सावधानियां बरती जानी थीं, नहीं बरत पाए। केमिकल के प्रयोग से नई-नई बीमारियां सामने आने लगीं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह रही कि हम आलसी हो गए। किसान मिट्टी से हाथ और गोबर में पैर बचाने लगा। परिश्रम करने की आदत जाती रही। इसे बदलना होगा। खेती के साथ पशुपालन को फिर से करना होगा। अगर हमने ऐसा किया तो 10-15 साल के भीतर ही कृषि का स्वरूप बदल जाएगा। इसमें दैनिक जागरण के जरिये तैयार हो रहे आधुनिक अन्नदाता का बहुत बड़ा योगदान होगा। इससे देश का भला और कल्याण होगा।

इन्होंने भी माना लोहा : कमिश्नर पीवी जगन मोहन, आइवीआरआइ के निदेशक डॉ. आरके सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय सिंह, रिलायंस के रेजा थर्मल पावर प्रोजेक्ट के यूनिट निदेशक बी प्रसाद, बीएल एग्रो के चेयरमैन घनश्याम खंडेलवाल, श्रीराम मूर्ति स्मारक मेडिकल एवं इंजीनियरिंग कॉलेज ट्रस्ट से सचिव आदित्य मूर्ति ने भी आधुनिक अन्नदाता मुहिम देश की आर्थिक उन्नति में मील का पत्थर बताया।

दैनिक जागरण के महाप्रबंधक मुदित चतुर्वेदी ने बताया कि किस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के किसानों की आय 2022 तक दोगुनी करने की घोषणा के बाद जागरण के न्यूज रूम में उस पर गहनता से चर्चा हुई। वरिष्ठ समाचार संपादक प्रदीप शुक्ल ने गैपशम के साथ मिलकर मिट्टी की जांच के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करने का खाका तैयार किया। आधुनिक अन्नदाता के नाम से मुहिम शुरू की गई, जिससे बीएल एग्रो, रेजा थर्मल पावर प्लांट को जोड़ा गया। अभियान में आइवीआरआइ से सहायता ली गई। गैपशम के सीईओ सौरभ गौतम ने प्रोजेक्टर के माध्यम से अभियान की जानकारी और प्रगतिशील किसानों की कहानी प्रस्तुत की। अंत में रीजनल मार्केटिंग मैनेजर गणेश शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया।